SHRI V. NARAYANASAMY: No. What about the other scheme?

MR. CHAIRMAN: Next question.

SHRI V. NARAYANASAMY: Sir, he has not answered my question.

MR. CHAIRMAN: No.

SHRI V. NARAYANASAMY: My question is about different schemes.

MR. CHAIRMAN: Next question.

Transmission capacity of Purnea Akashwani Kendra in Bihar

*25. SHRI TARIQ ANWAR: Will the Minister of INFORMATION AND BROADCASTING be pleased to state:

(a) whether the transmission capacity of Purnea Akashwani Kendra in Bihar is very low and as a result thereof the programmes broadcast by the said Kendra are not audible clearly in the areas around it, especially in Katihar;

(b) whether Government are planning to install new Akashwani Kendra in Katihar; and

(c) if not, the steps being taken/proposed to be taken by Government for increasing the capacity of the said Akashwani Kendra?

THE MINISTER OF INFORMATION AND BROADCASTING (SHRI PRIYARANJAN DASMUNSI): (a) A 6 kW FM transmitter is working satisfactorily at Purnea. The reception of this transmitter of Katihar town is good. However, some parts in the southern area of the Katihar district are not covered adequately by the AIR FM transmitter at Purnea.

(b) No, Sir.

(c) At present, there is no approved scheme to increase the power of transmitter at Purnea.

श्री तारीक अनवर: सभापति महोदय, मंत्री जी उस क्षेत्र से वाकिफ है क्योंकि मेरा और उनका दोनों क्षेत्र जुड़े हुए हैं। सर, वहां बहुत पिछड़ापन है और स्थिति बहुत खराब है। वहां बिजली भी उपलब्ध नहीं है और 4-5 महीने लोग कट में डूबे रहते हैं। ऐसी परिस्थिति में वहां लोग सिर्फ आकाशवाणी पर निर्भर करते हैं जबकि दूसरी तरफ बी॰बी॰सी॰, वॉइस ऑफ अमेरिका व कई पश्चिमी देशों का रिसेप्सन कहीं बेहतर है। इसलिए लोग आकाशवाणी के बजाय बी॰बी॰सी॰,

वॉइस ऑफ अमेरिका और दूसरे केन्द्रों को सुनना पसंद करते हैं। इसलिए मैं मंत्री जी से यह जानना चाहूंगा कि पिछले तीन वर्षों में आकाशवाणी केन्द्र पूर्णिया के लिए उन्होंने कितने फंड का एलोकेशन किया है और उस पर कितना खर्च हुआ है?

श्री प्रियरंजन दास मुंशी: सर, जहां तक आकाशवाणी के ट्रांसमिशन का सवाल है, वह बहुत अच्छा है, इसमें कोई संदेह नहीं है। हमारे पटना स्टेशन के द्वारा, हमारे सिलीगुड़ी स्टेशन के द्वारा मीडिया में भी जो ट्रांसमिशन होता है...

श्री तारिक अनवर: वहां सब लोग बी॰बी॰सी॰ सुनते हैं।

श्री प्रियरंजन दास मुंशी: वह शौक की बात है, लेकिन आज भी हिंदुस्तान के गांवों में अगर आप जाएं तो अंतिम खबर के रूप में मीडिया मे आकाशवाणी के ट्रांसमिशन को लोग ज्यादा पसंद करते हैं क्योंकि उस का विस्तार काफी तेज है। जहां तक मान्यवर सदस्य का सवाल है, यह एफ॰एम॰ स्टेशन के लिए सीमित है, इस में जो फ्रीक्वेंसी मॉडुलेशन स्टेशंस हैं, आकाशवाणी के द्वारा हमारे प्राइवेट/पब्लिक ब्रॉडकास्टिंग सिस्टम के द्वारा जो योजना पूरे हिंदुस्तान में 10वीं योजना में लायी गयी है, इस बारे में उन का सवाल सीमित है कि एफ॰एम॰ स्टेशन का कवरेज कितना होना चाहिए। जहां तक एफ॰एम॰ स्टेशन का सवाल है 6 किलोवाट से लेकर 20/10 किलोवाट तक अगर उन का ट्रांसमीशन हो तो वे बढ़िया काम कर सकते हैं, लेकिन जहां तक पूर्णिया के एफ॰एम॰ स्टेशन का सवाल है, 6 किलोवाट से कटिहार टाउन तक इस का काम तेजी से होता है, लेकिन सदर्न पार्ट ऑफ कटिहार तक इस को पहुंचाने के लिए हमारे ट्रांसमीटर का जो पावर है, उस को ऊंचाई तक लाना पड़ेगा। उस में थोड़ा और पैसा लगाना पड़ेगा क्योंकि 10वीं योजना की 70 करोड़ की राशि के तहत इन सारे एफ॰एम॰ स्टेशंस को हमारी अवस्था में लाने का काम किया गया है और उसी संदर्भ में बिहार के कुछ स्टेशंस में राशि आवंटित की गयी है। इन में से कुछ स्टेशंस के नाम में सुनाता हूं। सर, जिन स्टेशंस में राशि आवंटित कर दी गयी है, उस में मोतिहारी है, उस में बेगुसराय है, उस में पटना है, गया है और पूर्णिया भी है। तो जितना पैसा इस के लिए दिया गया है उस में इस से ज्यादा काम नहीं हो सकता है, लेकिन फिर भी मैं आश्वासन देना चाहता हूं कि मैं कार्शियांग के द्वारा इस पावर को और इंक्रीज करने के लिए सोच रहा हूं ताकि कटिहार के दक्षिण की तरफ के जो गांव हैं, वहां तक यह पहुंच सके।

सर, एफ॰एम॰ स्टेशंस से न्यूज नहीं आती है, करेंट अफेयर्स नहीं आते हैं। उन में सिर्फ एंटरटेनमेंट आता है, इसलिए आकाशवाणी से जो न्यूज आती है, उस में काफी तेजी है। इस बारे में अभी तक मुझे कोई शिकायत प्राप्त नहीं हुई है, अगर कोई शिकायत करेगा तो मैं उस की जांच करने को तैयार हूं।

श्री तारिक अनवर: सर, जैसा कि मंत्री जी ने कहा कि ट्रांसमीशन काफी उपयुक्त है, लेकिन मैं यह जानना चाहूंगा कि इस का कारण कहीं एफीसिएंट स्टाफ की कमी तो नहीं है क्योंकि आम तौर पर यह शिकायत मिलती है कि सब कुछ उपलब्ध है, लेकिन एफीसिएंट स्टाफ न होने की वजह से वह काम पूरा नहीं कर पाते हैं।

श्री प्रियरंजन दास मुंशी: नहीं सर, स्टाफ बिल्कुल सही है, लेकिन यह बात मैं मानने के लिए तैयार हूं कि ऑल इंडिया रेडियो स्टेशंस पर जितने स्टाफ की पूर्ति होनी चाहिए उतना स्टाफ हमारा नहीं है क्योंकि वैकेंसीज काफी हैं। इ०एफ०सी०, एक्सपेंडिचर कमेटी ने इसके ऊपर पाबंदी लगाई है, इसलिए मैं पूरी vacancies को fill-up नहीं कर रहा हूं, लेकिन technical positions में और ज्यादा लोग लाने के लिए मैं Finance Ministry से बातचीत कर रहा हूं।

WELCOME TO HIS EXCELLENCY MR. JAIME GAZMURI, VICE-PRESIDENT OF CHILEAN SENATE

MR. CHAIRMAN: Thank you. Honourable Members, I have an announcement to make. We have with us, seated in the Special Box, His Excellency Mr. Jaime Gazmuri, Vice-President of the Chilean Senate, currently on a visit to our country as our honoured guest.

On behalf of the Members of the House and on my own behalf, I take pleasure in extending a hearty welcome to our distinguished guest and wish him an enjoyable and fruitful stay in our country. We hope that during his stay here he would be able to see and learn more about our Parliamentary system, our country and our people, and that his visit to this country will further strengthen the friendly bonds that exist between India and Chile. Through them, we convey our greetings and best wishes to the Parliament and the friendly people of Chile.

ORAL ANSWERS TO QUESTIONS—Contd.

MR. CHAIRMAN: Next Question ....*(Interruptions)*...

श्री दिग्विजय सिंह: नहीं, सर। इसमें मुझे भी पूछना है। ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: आपका 26 नम्बर पर है ना ...(व्यवधान)...

श्री दिग्विजय सिंह: नहीं, सर। 25 पर ही पूछना है। ...(व्यवधान)...

श्री रवि शंकर प्रसाद: सर, इस पर मैंने भी दिया है। यह बड़ा आवश्यक है, सर। ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: अच्छा, आप पूछ लीजिए।

श्री दिग्विजय सिंह: सभापति महोदय, मैं माननीय मंत्री जी से पूछना चाहूंगा और दख्वास्त भी करना चाहूंगा कि 2004 में बांका में एम०एफ० का एक सेंटर खोला गया था। पैसे की कुछ कमी

के चलते उसकी जमीन का समुचित मुआवजा नहीं दिया जा सका, इसलिए वह सेंटर आज तक चालू नहीं हो पाया। मैं माननीय मंत्री जी से जानना चाहूंगा और दरख्वास्त भी करूंगा कि कृपया जमीन के पैसे का आवंटन जल्द-से-जल्द कर दिया जाय, ताकि वह सेंटर चालू हो, नहीं तो सरकार के किए हुए कामों पर से लोगों का विश्वास उठता चला जाएगा।

श्री प्रियरंजन दास मुंशी: मान्यवर, माननीय सदस्य श्री दिग्विजय जी ने सही फरमाया। सरकार के कामों पर से लोगों का विश्वास सही में उठ जाएगा, क्योंकि 2003 में इसकी पूरी स्कीम फाइनल हुई, उस समय जो राशि आवंटित की गई और उसी समय यह कहा गया कि यह 27 लाख से नहीं होगा, इसमें 90 लाख लगेगा। फिर भी बिहार प्रान्त से सूचना आने के बावजूद सरकार ने राशि आवंटित नहीं की। इसलिए आप उधर बैठिए और मैं इधर बैठा हूं। मैं इसको पूरा आवंटित करके इसको अब तेजी से चलाउंगा।

श्री सभापति: नेक्स्ट क्वैश्चन।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से सहायता प्राप्त कॉलेज

*26. **डा॰ मुरली मनोहर जोशी:†**
श्री राज मोहिन्दर सिंह मजीठा:

क्या मानव संसाधन विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि देश में 18 केन्द्रीय विश्वविद्यालयों और 20 राज्य विश्वविद्यालयों के अतिरिक्त विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से सहायता-प्राप्त कॉलेज भी चल रहे हैं;

(ख) यदि हां, तो उपरोक्त तीनों श्रेणियों में कितने-कितने कॉलेज चलाए जा रहे हैं;

(ग) उपरोक्त प्रत्येक श्रेणी के कॉलेज को चलाने का वार्षिक व्यय कितना है; और

(घ) यह व्यय किस-किस स्रोत से कितना-कितना किया जाता है?

मानव संसाधन विकास मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती डी॰ पुरन्देश्वरी): (क) से (घ) एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

विवरण

कॉलेज अपने व्यय की पूर्ति विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, राज्य सरकारों और उनके द्वारा अर्जित आय सहित अन्य स्रोतों से दी जाने वाली सहायता से करते हैं। कॉलेजों के संबंध में व्यय

†सभा में यह प्रश्न डा॰ मुरली मनोहर जोशी द्वारा पूछा गया।